भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 516

जिसका उत्तर 22 जुलाई, 2026 को दिया जाना है

स्वच्छ कोयला तकनीक

516. श्री अमर शरदराव काले :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वर्तमान वर्ष 2026 में कोयला गैसीकरण और अन्य स्वच्छ कोयला तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हाँ, तो कितनी कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है या कार्यान्वित की जा रही हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या ऐसी परियोजनाओं को सहायता करने के लिए कोई वित्तीय प्रोत्साहन या व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण तंत्र शुरू किए गए हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन तकनीकों के माध्यम से कोयला उपयोग की क्षमता में अपेक्षित सुधार होने और उत्सर्जन में कमी होने संबंधी क्या जानकारी है?

उत्तर

कोयला और खान राज्य मंत्री

(श्री सतीश चन्द्र दुबे)

(क) : जी, हाँ। कोयला गैसीकरण को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने दिनांक 13.05.2026 को ₹37,500 करोड़ के वित्तीय परिव्यय के साथ सतही कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने हेतु एक स्कीम को मंजूरी दी।

(ख) और (ग) : सरकार ने दिनांक 24.01.2024 को वित्तीय प्रोत्साहन स्कीम के लिए ₹8,500 करोड़ के परिव्यय को मंजूरी दी थी; जिसके अंतर्गत, आठ (8) कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है और वे कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें तीन सरकारी क्षेत्र की परियोजनाएं, तीन निजी क्षेत्र की परियोजनाएं तथा दो लघु-स्तरीय उत्पाद-आधारित परियोजनाएं शामिल हैं। पूंजीगत व्यय के 15 प्रतिशत की दर से वित्तीय प्रोत्साहन को मंजूरी दी गई है। जिंदल स्टील लिमिटेड की एक परियोजना ने वित्तीय समापन प्राप्त कर लिया है और

वह निर्माण चरण में है, जबकि शेष परियोजनाएं वित्तीय समापन, सांविधिक स्वीकृति, प्रौद्योगिकी को अंतिम रूप दिए जाने, निविदा और परियोजना कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

(घ) : कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण, कोयला/लिग्नाइट को सिंथेसिस गैस (सिनगैस) में परिवर्तित करने में सक्षम बनाता है, जिसका उपयोग रसायनों, उर्वरकों, सिंथेटिक प्राकृतिक गैस, हाइड्रोजन और अन्य मूल्य-वर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए किया जा सकता है। पारंपरिक कोयला उपयोग की तुलना में, कोयला गैसीकरण बेहतर प्रक्रिया दक्षता, अंतिम उपयोग से पूर्व प्रदूषकों को आसानी से हटाने तथा कार्बन कैप्चर, यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज (सीसीयूएस) जैसी प्रौद्योगिकियों के साथ एकीकरण को सक्षम बनाकर कोयले के स्वच्छ उपयोग को सुकर बनाता है। इन प्रौद्योगिकियों से संसाधन उपयोग में सुधार और कोयला-आधारित औद्योगिक अनुप्रयोगों से उत्सर्जन में कमी होने की अपेक्षा है।

*****